http://www.upboardonline.com

वार्षिक परीक्षा, 2017.18 H-900

सामान्य हिन्दी (प्रथम प्रश्न पत्र)

समय 2½ घण्टे कक्षा XI पूर्णांक 45

नोट :-सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए- 5

(क) 'मुद्राराक्षस' नाटक के लेखक है-
(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) रामचन्द्र शुक्ल
(iii) श्यामसुन्दर दास (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ख) 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन किया था-
(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी ने (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने (iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) 'कन्यादान' निबन्ध के लेखक है-
(i) मोहन राकेश (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iii) रामवृक्ष बेनीपुरी (iv) सरदार पूर्णसिंह

(घ) डा. सम्पूर्णानन्द द्वारा सम्पादित पत्रिका है-
(i) सारिका (ii) हंस
(iii) मर्यादा (iv) दिनमान

(ङ) आधुनिक हिन्दी गद्य का जनक किसे कहा जाता है-
(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को (ii) सरदार पूर्णसिंह को
(iii) प्रतापनारायण मिश्र को (iv) पं. बालकृष्णभट्ट को

2. सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए- 5

(क) पृथ्वीराज रासो के रचयिता है-
(i) दलपति विजय (ii) चन्दबरदाई
(iii) नरपति नाल्ह (iv) जगनिक

(ख) ज्ञानाश्रयी शाखा के कवि नहीं है-
(i) मलूकदास (ii) कबीरदास
(iii) नन्ददास (iv) रैदास

(ग) वात्सल्य रस के सम्राट माने जाते है-
(i) कबीरदास (ii) सूरदास
(iii) गोस्वामी तुलसीदास (iv) मलिक मौहम्मदजायसी

(क्र. प. उ.)

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(घ) श्रीरामचरित मानस की भाषा है-
(i) अवधि (ii) मैथिली
(iii) ब्रजभाषा (iv) खड़ी बोली

(ङ) किस काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है-
(i) आदिकाल को (ii) भक्तिकाल को
(iii) रीतिकाल को (iv) आधुनिक काल को

3.(क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक अवतरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- 7

अन्धकार के विकट बैरी महाराज अंशुमाली अभी तक दिखायी भी नहीं दिए तथापि उनके सारथि अरूण ही ने, उनके अवतीर्ण होने से पहले ही, थोड़े ही नहीं, समस्त तिमिर का समूल नाश कर दिया। बात यह है कि जो प्रतापी पुरुष अपने तेज से अपने शत्रुओं का पराभव करने की शक्ति रखते हैं, उनके अग्रगामी सेवक भी कम पराक्रमी नहीं होते। स्वामी को श्रम न देकर वे खुद ही उसके विपक्षियों का उच्छेद कर डालते हैं। इस तरह, अरूण के द्वारा अखिल अन्धकार का तिरोभाव होते ही बेचारी रात पर आफत आ गयी। इस दशा में वह कैसे ठहर सकती थी। निरुपाय होकर वह भाग चली।

अथवा

(ख) आचरण की सभ्यता का देश ही निराला है। उसमे न शारीरिक झगड़े हैं, न मानसिक, न आध्यात्मिक। न उसमें विद्रोह है न जंग ही का नामोनिशान है और न वहाँ कोई ऊँचा है, न नीचा। न कोई वहाँ धनवान है और न कोई वहाँ निर्धन। वहाँ प्रकृति का नाम नहीं, वहाँ तो प्रेम और एकता का अखण्ड राज्य रहता है। जिस समय आचरण की सभ्यता संसार में आती है उस समय नीले आकाश से मनुष्य को वेद-ध्वनि सुनाई देती है, नर-नारी पुष्पवत् खिलते जाते हैं, प्रभात हो जाता है, प्रभात का गजर बज जाता है, नारद की वीणा अलापने लगती है, ध्रुव का शंख गूंज उठता है, प्रहलाद का नृत्य होता है, शिव का डमरू बजता है, कृष्ण की बांसुरी की धुन प्रारम्भ हो जाती है।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए-

(i) परदेसी वस्तु और परदेसी भाषा का भरोसा मत रखो, अपने देश मे अपनी भाषा में उन्नति करो।

(ii) दुष्ट दैव की चेष्टाओ का परिपाक कहते नहीं बनता।

(iii) भूल करना बुरा नहीं है, भूल को भूल न समझना ही बड़ा दुर्भाग्य है। http://www.upboardonline.com

4.(क) निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए-7

यहु तन जारौं, मसि करौं, लिखौं राम का नाउँ।
लेखणि करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाउँ।।
कबिरा रेख स्यँदूर की, काजल दिया न जाइ।
नैनुँ रमइया रमि रह्या, दूजा कहां समाय।।

अथवा

भायप भगति भरत आचरनू। कहत सुनत दुख दूषन हरनू।।
जो किछु कहब थोर सखी सोई। राम बन्धु अस काहे न होई।।
हम सब सानुज भरतहि देखे। भइन्ह धन्य जुबती जन लेखे।।
सुनि गुन देख दसा पछिताहि। कैकई जननि जोगु सुतु नाहीं।।

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- 3

(i) बूँद समाणी समद मैं, सो कत हेरी जाइ।
(ii) सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै।
(iii) तुलसी स्वारथ मीत सब, परमारथ रघुनाथ।

5. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उसकी कृतियों का उल्लेख कीजिए- 3

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ii) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
(iii) डा0 रामकुमार वर्मा

6. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुये उसकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए- 3

(क) कबीरदास (ख) सूरदास (ग) कविवर बिहारी

7 बलिदान अथवा प्रायश्चित कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 3

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

अथवा

आकशदीप अथवा समय कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

8. कुहासा और किरण नाटक के प्रथम अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 3

अथवा

कुहासा और किरण नाटक के आधार पर अमूल्य का चरित्र चित्रण कीजिए।

9. श्रवणकुमार खण्डकाव्य के आखेट सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

अथवा

श्रवणकुमार खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र चित्रण कीजिए। 3

http://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.upboardonline.com